National Conference on Innovations in Science, Engineering, Technology and Humanities
(NCISETH – 2023)
30th July, 2023, Karol Bagh, New Delhi, India

CERTIFICATE NO : NCISETH /2023/ C0723549

उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन

Kunvar Vishal Pratap Yadav

Research Scholar, Ph. D. in Geography
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P., India.

सारांश

उत्तर प्रदेश, भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य, जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। इस अध्ययन का उद्देश्य राज्य में जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं और इसके पर्यावरणीय, सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करना है। जलवायु परिवर्तन के कारण उत्तर प्रदेश में तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, बाढ़, सूखा, जल संसाधनों की कमी और कृषि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। विशेष रूप से, कृषि क्षेत्र अत्यधिक प्रभावित हुआ है, जिससे किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के संयोजन से स्वास्थ्य समस्याएँ भी बढ़ी हैं, जिससे श्वसन रोगों और जलजनित बीमारियों में वृद्धि देखी गई है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जलवायु अनुकूलन और शमन रणनीतियाँ आवश्यक हो गई हैं। सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विभिन्न नीतियाँ और कार्यक्रम लागू किए गए हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन आवश्यक है। इस अध्ययन के निष्कर्ष उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उपयुक्त रणनीतियाँ विकसित करने और नीति-निर्माण में योगदान कर सकते हैं, जिससे राज्य की सतत विकास योजनाओं को बल मिल सके।